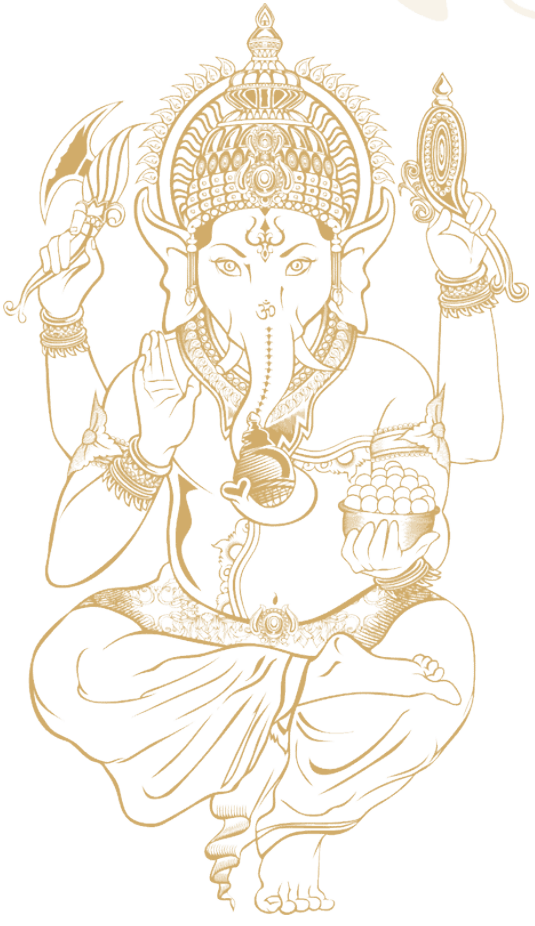

Ms.

21 Jan 1997

05:25 AM

Kasganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121408102

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20-21/01/1997**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**05:25:00 घंटे**
इष्ट	55:44:39 घटी
स्थान	**Kasganj**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:48:00 उत्तर
रेखांश	78:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:09:32 घंटे
वेलान्तर	-00:11:02 घंटे
साम्पातिक काल	13:11:06 घंटे
सूर्योदय	07:07:08 घंटे
सूर्यास्त	17:46:08 घंटे
दिनमान	10:39:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:10:03 मकर
लग्न के अंश	10:24:47 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	10:24:47	338:12:09	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
सूर्य			मक	07:10:03	01:01:02	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	07:56:41	12:16:29	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	10:37:30	00:10:36	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
बुध			धनु	12:57:17	00:49:42	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
गुरु		अ	मक	06:02:01	00:14:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	नीच राशि
शुक्र			धनु	19:39:58	01:15:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			मीन	08:49:46	00:04:47	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	06:53:50	00:11:15	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	06:53:50	00:11:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	10:36:01	00:03:31	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:45:53	00:02:17	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	11:10:01	00:01:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	25:27:02	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:59

लग्न-चलित

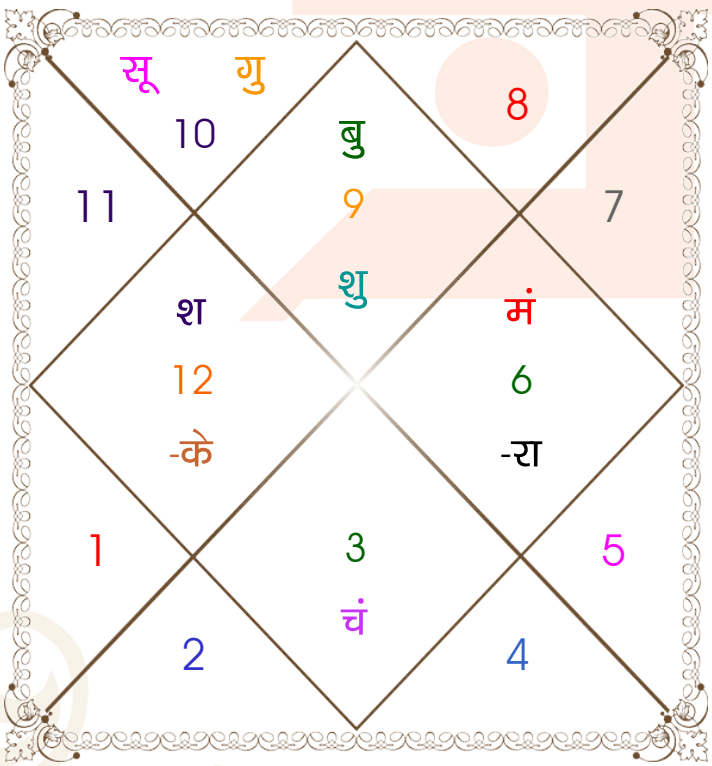

चन्द्र कुंडली

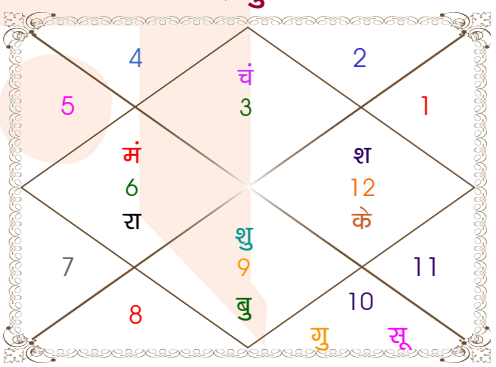

नवमांश कुंडली

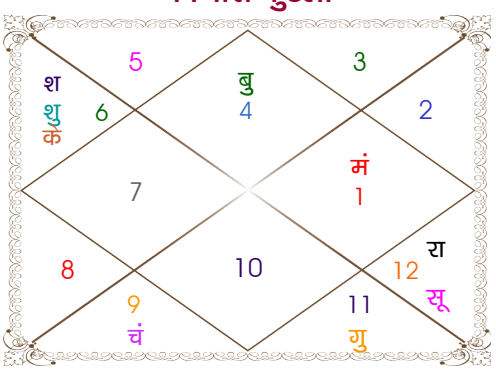

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 3 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/01/1997		01/05/2013		01/05/2029		01/05/2048		01/05/2065	
01/05/2013		01/05/2029		01/05/2048		01/05/2065		01/05/2072	
राहु	12/01/1998	गुरु	19/06/2015	शनि	04/05/2032	बुध	27/09/2050	केतु	27/09/2065
गुरु	06/06/2000	शनि	31/12/2017	बुध	12/01/2035	केतु	25/09/2051	शुक्र	27/11/2066
शनि	13/04/2003	बुध	06/04/2020	केतु	21/02/2036	शुक्र	26/07/2054	सूर्य	04/04/2067
बुध	31/10/2005	केतु	13/03/2021	शुक्र	22/04/2039	सूर्य	01/06/2055	चंद्र	03/11/2067
केतु	18/11/2006	शुक्र	12/11/2023	सूर्य	03/04/2040	चंद्र	30/10/2056	मंगल	31/03/2068
शुक्र	18/11/2009	सूर्य	31/08/2024	चंद्र	03/11/2041	मंगल	28/10/2057	राहु	19/04/2069
सूर्य	13/10/2010	चंद्र	31/12/2025	मंगल	13/12/2042	राहु	16/05/2060	गुरु	26/03/2070
चंद्र	13/04/2012	मंगल	06/12/2026	राहु	18/10/2045	गुरु	22/08/2062	शनि	05/05/2071
मंगल	01/05/2013	राहु	01/05/2029	गुरु	01/05/2048	शनि	01/05/2065	बुध	01/05/2072

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/05/2072		01/05/2092		01/05/2098		02/05/2108		03/05/2115	
01/05/2092		01/05/2098		02/05/2108		03/05/2115		00/00/0000	
शुक्र	31/08/2075	सूर्य	18/08/2092	चंद्र	02/03/2099	मंगल	28/09/2108	राहु	22/01/2117
सूर्य	31/08/2076	चंद्र	17/02/2093	मंगल	01/10/2099	राहु	16/10/2109		00/00/0000
चंद्र	01/05/2078	मंगल	25/06/2093	राहु	02/04/2101	गुरु	22/09/2110		00/00/0000
मंगल	01/07/2079	राहु	20/05/2094	गुरु	02/08/2102	शनि	01/11/2111		00/00/0000
राहु	01/07/2082	गुरु	08/03/2095	शनि	02/03/2104	बुध	28/10/2112		00/00/0000
गुरु	01/03/2085	शनि	18/02/2096	बुध	01/08/2105	केतु	27/03/2113		00/00/0000
शनि	01/05/2088	बुध	24/12/2096	केतु	02/03/2106	शुक्र	27/05/2114		00/00/0000
बुध	02/03/2091	केतु	01/05/2097	शुक्र	01/11/2107	सूर्य	01/10/2114		00/00/0000
केतु	01/05/2092	शुक्र	01/05/2098	सूर्य	02/05/2108	चंद्र	03/05/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 3 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।